प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
प्रसार अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

पंतनगर 30 सितम्बर 2022। समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी, हरियाणा (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में प्रसार अधिकारियों के क्षमता विकास विषयक प्रशिक्षण 27–30 सितम्बर 2022 को निदेशालय के कृषक भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी के क्षेत्रीय निदेशक प्रोफेसर नसीब सिंह ने प्रतिभागियों से कहा कि सेवाकाल के दौरान वैज्ञानिकों का समय–समय पर प्रशिक्षण होते रहना चाहिए, जिससे वो क्षेत्र में विकसित कृषि तकनीकों का प्रभावी विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। अपने प्रसार कार्यक्रमों के क्रियान्वयन सम्बन्धी अनेक टिप्स जैसे हमारा व्यवहार, वातावरण तैयार करना, प्रदर्शन/प्रशिक्षण आयोजन पूर्व एवं आयोजन के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से चर्चा किये। निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी–उत्तराखण्ड डा. अनिल कुमार शर्मा ने गत वर्ष कृषि विज्ञान केन्द्रों में योगदान दिये वैज्ञानिकों से अपील किये कि नीलोखेड़ी से आये प्रशिक्षकों से ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित कर उसका अपने क्षेत्र में प्रयोग करें, जिससे कृषक की आजीविका और आर्थिक स्थिति में सुधार हो। कार्यक्रम समन्वयक एवं प्राध्यापक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, डा. बी.डी. सिंह ने समस्त अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण की महत्ता और इससे अधिकारियों के कार्य क्षमता में होने वाले बदलाव के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि इस 4 दिनी प्रशिक्षण में अनेक विषयों जैसे तकनीक हस्तांतरण में प्रसार रणनीति की भूमिका, प्रसार वार्ता की योजना तथा विधियों, प्रसार प्रबन्धन हेतु उन्नत तकनीक, समय का सदुपयोग, सोशल मीडिया का कृषि में उपयोग, नेतृत्व विकास, कृषि एवं पशुपालन द्वारा टिकाऊ विकास जैसे विषयों की कक्षा एवं प्रयोगात्मक कार्यों द्वारा सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी के प्राध्यापक डा. सत्यकाम मलिक की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, चमोली, रूद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल, ऊधम सिंह नगर एवं हरिद्वार आदि जनपदों के 29 वैज्ञानिकों एवं कार्यक्रम सहायकों द्वारा भाग लिया गया।

प्रशिक्षण में व्याख्यान देते वैज्ञानिक।